वर्ष 8 अंक 32 अक्टूबर-दिसम्बर 2017

लामडिंग मंडल में नई गाड़ियों का शुभारंभ

अगरतला – नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस का शुभारंभ

त्रिपुरा राज्य की राजधानी अगरतला 28 अक्टूबर 2017 (शनिवार) को देश की राजधानी नई दिल्ली के साथ राजधानी एक्सप्रेस द्वारा जोड़ा गया। माननीय रेल राज्य मंत्री, श्री राजेन गोहांई ने अगरतला और दिल्ली के आनंद विहार टर्मिनल के बीच बहुप्रतीक्षित 20501/20502 राजधानी एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। नियमित सेवा 6 नवम्बर से शुरू कर दी गई है। त्रिपुरा राजधानी एक्सप्रेस सप्ताह में एक बार सोमवार को अगरतला से और बुधवार को दिल्ली के आनंद विहार टर्मिनल से चलेगी। राजधानी एक्सप्रेस अगरतला से आनंद विहार टर्मिनल तक करीब 41 घंटे में पहुंचेगी और यह त्रिपुरा, असम, बिहार और उत्तर प्रदेश के 16 स्टेशनों से होते हुए 2,413 कि.मी. की दूरी तय करेगी। इस अवसर पर उद्घाटन समारोह का आयोजन अगरतला में किया गया जिसमें त्रिपुरा के माननीय राज्यपाल श्री तथागत राय, पीडब्ल्यूडी और राजस्व मंत्री श्री बादल चौधरी, परिवहन मंत्री श्री माणिक दे, माननीय सांसद(लोकसभा) श्री शंकर प्रसाद दत्ता, माननीय सांसद(लोकसभा) श्री जितेन्द्र चौधरी और स्थानीय विधायक, श्री दिलीप सरकार तथा महाप्रबंधक/पूर्वोत्तर सीमा रेल श्री चाहते राम, मंडल रेल प्रबंधक/लामडिंग श्री प्रमोद कुमार जैन और पूर्वोत्तर सीमा रेल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

राजधानी एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखलाते हुए माननीय रेल राज्य मंत्री, श्री राजेन गोहांई, त्रिपुरा के माननीय राज्यपाल श्री तथागत राय, पीडब्ल्यूडी और राजस्व मंत्री श्री बादल चौधरी, परिवहन मंत्री श्री माणिक दे, माननीय सांसद (लोकसभा) श्री शंकर प्रसाद दत्ता, माननीय सांसद (लोकसभा) श्री जितेन्द्र चौधरी और स्थानीय विधायक, श्री दिलीप सरकार तथा महाप्रबंधक/पूर्वोत्तर सीमा रेल श्री चाहते राम, मंडल रेल प्रबंधक/लामडिंग श्री प्रमोद कुमार जैन।

सिलचर-तिरुवनंतपुरम एक्सप्रेस

21 नवम्बर 2017 से 12515/16 (तिरुवनंतपुरम –गुवाहाटी) एक्सप्रेस को सिलचर तक बढ़ा दिया गया है और 23 नवम्बर 2017 से 12507/08 (गुवाहाटी-तिरुवनंतपुरम) एक्सप्रेस सिलचर से प्रारंभ की गई है। इस प्रकार बराक घाटी, मणिपुर और मिजोरम दक्षिणी भारत से सीधे और सुविधाजनक संपर्क से जुड़ गए हैं। 18 नवम्बर 2017 को सिलचर में आयोजित उद्घाटन समारोह में माननीय रेल राज्य मंत्री श्री राजेन गोहांई ने सिलचर-तिरुवनंतपुरम एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में असम के माननीय मुख्यमंत्री, श्री सर्वानंद सोनोवाल उपस्थित थे।

सिलचर-तिरुवनंतपुरम एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखलाते हुए माननीय मंत्री, सांसद, विधायक तथा रेलवे के अधिकारीगण।

फोटो दीर्घा

गांधी जयंती, 2017 के अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, लामडिंग के परिसर में आयोजित समारोह में मंडल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए मंडल रेल प्रबंधक, श्री प्रमोद कुमार जैन।

स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के भाग के रूप में मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, लामडिंग के परिसर में श्रमदान करते हुए मंडल रेल प्रबंधक, श्री प्रमोद कुमार जैन के साथ मंडल के अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण।

17 नवम्बर 2017 को 11.00 बजे मंडल रेल प्रबंधक/लामडिंग के कार्यालय परिसर में 'कौमी एकता सप्ताह' का शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कौमी एकता का शपथ दिलाते हुए अपर मंडल रेल प्रबंधक/लामडिंग, श्री सुरथ जानि।

31 अक्टूबर, 17 को सरदार वल्लभभाई पटेल की 142 वीं जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता का शपथ दिलाते हुए मंडल रेल प्रबंधक, श्री प्रमोद कुमार जैन।

06 दिसम्बर 2017 को 61वां महापरिनिर्वाण दिवस मनाया गया। मंडल के सभी शाखा अधिकारियों और यूनियन के पदाधिकारियों ने बाबा साहेब के नाम से प्रसिद्ध भारत रत्न डॉ. भीमराव रामजी अम्बेडकर को श्रद्धांजलि दी।

मंडल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करने तथा बाबा साहेब को पुष्पांजलि अर्पित करने का एक दृश्य।

31 अक्टूबर, 2017 को सरदार पटेल की 142 वीं जयंती के अवसर पर आयोजित 'रन फॉर यूनिटी' दौड़ में भाग लेते हुए मंडल रेल प्रबंधक/लामडिंग, अध्यक्षा, मंडल रेल महिला कल्याण संगठन/लामडिंग, मंडल के अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण तथा रेल सुरक्षा बल और रेल सुरक्षा विशेष बल के जवानों का एक दृश्य।

स्पॉट अवार्ड (नकद पुरस्कार) : लामडिंग मंडल में कर्मचारियों के लिए स्पॉट अवार्ड (नकद पुरस्कार) योजना की शुरूआत की गई है। नीति के अनुसार अवधि के दौरान कुल 24 (चौबीस) वैयक्तिक तथा 05 (पॉच) सामूहिक नकद पुरस्कार प्रदान किए गए।

मंडल रेल प्रबंधक, लामडिंग द्वारा पुरस्कार प्रदान किए जाने का एक दृश्य।

पुरस्कार प्राप्त चिकित्सा विभाग के कर्मचारियों का एक दृश्य।

कार्मिक कल्याण

अक्टूबर–दिसम्बर, 2017 के दौरान सेवानिवृत्ति के कुल 128 मामलों का निपटारा किया गया।

अवधि के दौरान अनुकंपा के आधार पर समूह 'घ' में कुल 38 तथा समूह 'ग' में कुल 23 अभ्यर्थियों को रेलवे में नियुक्ति प्रदान की गई।

अवधि के दौरान स्काउट एवं गाइड कोटा के अंतर्गत समूह 'घ' में 2 अभ्यर्थियों को रेलवे में नियुक्ति प्रदान की गई।

धर्मनगर–करीमगंज–बदरपुर सेक्शन का विंडो ट्रॉलिंग निरीक्षण

महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर सीमा रेल, श्री चाहते राम ने 15 नवम्बर 2017 को धर्मनगर स्टेशन का निरीक्षण किया। इस दौरान लामडिंग मंडल के मंडल रेल प्रबधक, श्री प्रमोद कुमार जैन तथा मंडल के अन्य अधिकारियों के साथ धर्मनगर–करीमगंज–बदरपुर सेक्शन का विंडो ट्रॉलिंग निरीक्षण किया।

09 अक्टूबर 2017 को कार्मिक विभाग/लामडिंग के प्रशासनिक भवन में स्टाफ सुविधा केंद्र की स्थापना की गई।

लामडिंग मंडल में नवागत अधिकारी

श्री आर. एन. सिकदार : आपने 11 दिसम्बर 2017 को व. मं. सिग. एवं दू.सं. इंजी./कार्य/ लामडिंग के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है।

श्री पी. के. दास : आपने 20 दिसम्बर 2017 को मंडल इंजीनियर/।।।/लामडिंग के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है।

श्री डी. एन. सिंह : आपने 26 दिसम्बर 2017 को सहायक मंडल इंजीनियर, अगरतला के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है।

श्री उत्पल हाजोवारी : आपने 19 दिसम्बर 2017 को सहायक कार्मिक अधिकारी/।/ लामडिंग के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है।

श्री अंकुश सिंगला : आपने 12 दिसम्बर 2017 को स. मं. सिग. एवं दू.सं. इंजी./कार्य/ लामडिंग के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है।

श्री विजय प्रकाश : आपने 12 दिसम्बर 2017 को स. मं. सिग. एवं दू.सं. इंजी./ बदरपुर के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है।

श्री सुविमल दास : आपने 03 दिसम्बर 2017 को सहायक मंडल बिजली इंजीनियर, अगरतला के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है।

श्री के. के. शर्मा : आपने 01 दिसम्बर 2017 को सहायक प्रचालन प्रबंधक, लामडिंग के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है।

श्री पी. एस. सील : आपने 21 नवम्बर 2017 को वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, लामडिंग के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है।

श्री राम पाल : आपने 15 नवम्बर 2017 को मंडल इंजीनियर/V/ लामडिंग के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है।

श्री विजय प्रकाश : आपने 29 नवम्बर 2017 को कोचिंग डिपो अधिकारी, गुवाहाटी के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है।

श्री दुलाल गोस्वामी : आपने 27 नवम्बर 2017 को सहायक मंडल यॉत्रिक इंजीनियर, अगरतला के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है।

श्री सितेश दास : आपने 04 अक्टूबर 2017 को वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/विशेष/लामडिंग के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है।

श्री पी. एस. सरकार : आपने 23 अक्टूबर 2017 को मंडल संरक्षा अधिकारी, लामडिंग के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है।

लामडिंग मंडल में आप सभी अधिकारियों का हार्दिक स्वागत है।

लामडिंग मंडल के रेल कर्मचारियों के स्वास्थ्य लाभ के लिए मंडल के चिकित्सा विभाग द्वारा बहुउद्देशीय स्वास्थ्य जॉच शिविरों के माध्यम से स्वास्थ्य जॉच का कार्यक्रम जारी है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, लामडिंग डॉ. डी. के. दास के साथ स्वास्थ्य जॉच टीम का दृश्य।

उन्नाकोटि – त्रिपुरा राज्य का पुरातात्विक महत्व स्थल

मंडल रेल प्रबंधक
पू.सी.रेल, लामडिंग

पूर्वोत्तर के प्रदेशों का जिक्र आते ही हमारे मनोमस्तिष्क में सघन जंगलों से आक्षादित वहाँ की ऊँची–नीची पहाड़ी भूमि तैरने लगती है। ऐसा ही मन को मोहने वाला एक छोटा राज्य है त्रिपुरा, जहाँ का इतिहास और भौगोलिक वातावरण उसे कई मायने में महत्त्वपूर्ण बनाता है।

त्रिपुरा राज्य में एक अति सुन्दर स्थल है – उन्नाकोटि, जो अपने मनोरम पहाड़ियाँ में अलौकिक रहस्य को संजोए हुए है। यह स्थल इतिहास, पुरातत्व और धार्मिक खूबियों के रंग, गंध से पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। यह एक औसत ऊचाई वाली पहाड़ी श्रृंखला है, जो उत्तरी त्रिपुरा के कैलाशहर जिला मुख्यालय से 8 कि. मी. की दूरी पर हरे–भरे शांत और शीतल वातावरण में स्थित है।

भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण (एएसआई) के अनुसार उन्नाकोटि का काल 8वीं से 9वीं शताब्दी का है। हालांकि, इसके शिल्पों और समय–काल के बारे में अनेक मत हैं।

उन्नाकोटि की पहाड़ी पर हिन्दू देवी–देवताओं की उकेरी गई अनगिनत मूर्तियाँ और शिल्प मौजूद हैं। इन शिल्पों का केंन्द्र शिव और गणेश हैं। 30 फुट ऊँचे शिव की विशालतम छवि खड़ी चट्टान पर उकेरी हुई है, जिसे 'उन्नाकोटिश्वर काल भैरव' कहा जाता है। इसके सिर को 10 फीट तक के लंबे बालों के रूप में उकेरा गया है। पास में शेर पर सवार देवी दुर्गा का शिल्प है, दूसरी तरफ मकर पर सवार देवी गंगा का शिल्प है। यहाँ जमीन पर आधा उकेरा हुआ नंदी बैल का भी शिल्प है।

शिव के शिल्पों से कुछ ही मीटर दूर भगवान गणेश की तीन शानदार मूर्तियाँ हैं। चार–भुजाओं वाले गणेश की दुर्लभ नक्काशी के एक तरफ तीन दांत वाले साराभुजा गणेश और चार दांत वाले अष्टभुजा गणेश की दो मूर्तियाँ स्थित हैं। इसके अलावा तीन आंखों वाला एक शिल्प भी है, जिसके बारे में माना जाता है कि वह सूर्य या विष्णु भगवान का है। चतुर्मुख शिवलिंग, नंदी, नरसिम्हा, श्रीराम, रावण, हनुमान, और अन्य अनेक देवी– देवताओं के शिल्प और मूर्तियाँ यहाँ हैं।

एक किंवदंती है कि अभी भी वहां कोई चट्टानों को उकेर रहा है। इसीलिए इस उन्नाकोटि–बेल्कुम पहाड़ी को देवस्थल के रूप में जाना जाता है। आप कहीं से भी, किधर से भी गुजर जाइए आपको शिव या किसी देव की चट्टानों पर उकेरी हुई मूर्ति या शिल्प अवश्य मिलेगा। पहाड़ों से गिरते हुए सुंदर सोते उन्नाकोटि के तल में एक कुंड को भरते हैं, जिसे ''सीता कुंड'' कहते हैं। इसमें स्नान करना पवित्र माना जाता है। हर साल अप्रैल के महीने में यहाँ 'अशोकाष्टमी मेला' लगता है, जिसमें हजारों श्रद्धालु आते हैं और 'सीता कुंड' में स्नान करते हैं।

पौराणिक कथाओं में इसके बारे में दिलचस्प कथा मिलती है, जिसके अनुसार यहाँ देवी–देवताओं की एक सभा हुई थी। भगवान शिव, काशी जाते समय यहाँ रुके थे। एक लोक कथा के अनुसार स्थानीय आदिवासी मानते हैं कि यह कल्लू कुम्हार था, जिसने इन सभी छवियों को तैयार किया था। वह पार्वती का भक्त था और शिव एवं पार्वती के साथ कैलाश पर्वत पर अपने निवास के लिए जाना चाहता था। पार्वती के अनुनय पर शिव कल्लू को इस शर्त पर कैलाश में ले जाने के लिए राजी हो गए, अगर वह एक रात में शिव की एक कोटि चित्रों का चित्रण करें। लेकिन जैसे ही भोर में छवियों की संख्या जोड़ी गई तो एक कोटि से एक कम था। शिव जी ने कल्लू से छुटकारा पाने के लिए इस बहाने का इस्तेमाल किया। तभी से इसका नाम उन्नाकोटि पड़ा। उन्नाकोटि का अर्थ है, एक कोटि (करोड़) से एक कम।

माना जाता है कि उन्नाकोटि पर भारतीय इतिहास के मध्यकाल के पाल–युग के शैव्य पंथ का प्रभाव है। इस पुरातात्विक महत्व के स्थल के आसपास तांत्रिक, शक्ति और हठ योगी जैसे कई अन्य संप्रदायों का प्रभाव भी पाया जाता है। उन्नाकोटि (उन्नाकोटिश्वर) के भगवान के रूप में शिव की यह छवि काल–भैरव के रूप में प्रसिद्ध है। उन्नाकोटि में मिली छवियाँ दो प्रकार की हैं : अर्थात् रॉक–नक्काशीदार और पत्थर के चित्र।

वर्षों पहले सघन गहरे जंगल में देवी–देवताओं की पत्थरों की मूर्तियों की चित्रकारी, अद्भुत रॉक नक्काशियों और पत्थरों की छवियों को बनाने के लिए ऐसे एकांत पहाड़ी जगह का ही क्यों चयन किया गया, अपने आप में एक रहस्य है। इस क्षेत्र में पत्थरों और चट्टानों पर उकेरी नक्काशियों की विख्यात मूर्तियों ने रहस्य के दौर में उन्नाकोटि को एक विशेष महत्व प्रदान करता है। उन्नाकोटि अपनी कहानियों और रहस्यवाद और सुंदरता के साथ एक लंबे समय तक स्मृतियों के गलियारे में अतीत के रहस्य के रूप में सदा आपको अपनी चमत्कारिता की ओर आकर्षित करता रहेगा।

— प्रमोद कुमार जैन

संरक्षक
प्रमोद कुमार जैन
मंडल रेल प्रबंधक

मुख्य संपादक
सुरथ जानि
अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी

संपादन एवं सहयोग
संजय कनौजिया
वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/समन्वय
आर. के. कोईरी
राजभाषा अधिकारी